Reg. No. | | | | | | | | | | | |

B.M.S COLLEGE FOR WOMEN, AUTONOMOUS
BENGALURU – 560004

SEMESTER END EXAMINATION – JANUARY/FEBRUARY 2023

B.C.A/B.Voc I.T - I Semester
Hindi-Language

NIBANDH PRABHA AUR KARYALAYI HINDI
(NEP Scheme 2021-22 onwards F+R)

Course Code: BCA1AECHIN01 **QP Code: 1115**
Duration: 2 ½ Hours **Max.Marks:60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए । (10X1=10)

1. किसी राष्ट्र या जाति का सबसे बहुमूल्य अंग क्या है ?
2. 'भारतीय संस्कृति' नामक पाठ के लेखक कौन है ?
3. श्री विंस्टन चर्चिल ने क्या कहा है ?
4. वैशाख पूर्णिमा के दिन किसका जन्मोत्सव मनाया जाता है ?
5. सबसे बड़ा दान क्या होता है ?
6. काम के लिए सब क्या लिखते हैं ?
7. स्वदेश प्रेम किस का सबसे बड़ा ढोंग है ?
8. 'लीग ऑफ नेशन' की स्थापना क्यों की गई ?
9. कुछ लोग के जीवन में सतत परिश्रम का अंतिम ध्येय क्या है ?
10. जो लहरों से तैरने का अभ्यास रखते हैं, वे समुंदर से क्या लेकर आते हैं ?

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं <u>दो</u> का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । (2X7=14)

1. "मनुष्य मात्र का यदि एक ही धर्म हो जाए तो फिर कहना ही क्या ?"
2. "काम की बातों से काम का पता चलता है, आदमी का नहीं ।"
3. "बुद्धदेव समस्त मानव-जाति के लिए आए थे युग-युगांतर के लिए आए थे ?"

III. किसी <u>एक</u> निबन्ध का सारांश लिखिकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(1x16=16)

1. मानसिक पराधीनता ।
2. हिम्मत और जिंदगी ।

BMSCW LIBRARY

IV. कार्यालयी हिन्दी (किसी <u>एक</u> प्रश्न का उत्तर लिखिए) **(1x10=10)**

1. ई - कार्यालय किसे कहते है और स्पैरो प्रणाली क्या है?
2. ज्ञान प्रबंधन प्रणाली क्या है? स्पष्ट कीजिए ।

V. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण कीजिए और उचित शीर्षक दीजिए। **(10)**

जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छोड़ कठिन परिश्रम करना ही एकमात्र मार्ग होता है। जीवन में सुख प्राप्त करना हर मनुष्य की आकांक्षा होती है। लेकिन, अल्लादीन का चिराग़ सबके हाथों में नहीं होता कि चिराग़ जलते ही सारी मनोकामनाएँ पूर्ण हो जाए। केवल परिश्रम ही जीवन-संघर्ष में सफलता ला सकता है। मानव का इतिहास साक्षी है कि अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखनेवाले लोग ही रेगिस्तानों में झील बना सकते हैं, धरती की छाती चीरकर मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं। कोयले को हीरे में बदल डालने की कला जादू से नहीं उत्पन्न हो सकती। परिश्रम करने वाले ही मिट्टी को सोना बना डालते हैं। परिश्रम के सहारे मनुष्य सफलता के हर शिखर का स्पर्श कर सकता है।

*****

BMSCW LIBRARY